International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 3, March 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

महिला सशक्तिकरण की ओर अग्रसर हरियाणा सरकार: एक वश्लेषण

Dr. Reena
Department of Political Science,
Vaish College, Bhiwani 127021 Haryana
Corresponding Author- email- ashureena1142@gmail.com

संक्षेप:
सशक्तिकरण से अ भप्राय ऐसी प्र क्रया से है जो कसी भी व्यक्ति की योग्यता और क्षमता से है जो उसे अपने जीवन में जुड़े कसी भी वषय से संब धत निर्णय लेने में सक्षम बनाती है । अर्थात वह अपने जीवन से जुड़े सामाजिक,आ र्थक,राजनीतिक,सांस्कृतिक, नैतिक कसी भी पहलू से संब धत निर्णय लेने में सक्षम होता है उसे सशक्तिकरण कहा जाता है। जब हम महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं तो यहां भी हम उसकी क्षमता की बात करते हैं जहां पर वह अपने भ वष्य के निर्माण के लए अपने जीवन से संब धत निर्णय लेने में पूर्ण तरह से स्वतंत्र हो। परिवार ,समाज के बंधनों से परे वह अपने जीवन से जुड़े तमाम निर्णय लेने के लए पूर्ण रूप से स्वतंत्र एवं सक्षम हो।

परिचय:
समाज रूपी गाड़ी को चलाने के लए नर और नारी दो पहियों के समान होते हैं जिसमें दोनों का संतुलन होना आवश्यक है यदि कोई भी एक पहिया समान नहीं होगा तो समाज रूपी गाड़ी सही प्रकार से नहीं चल पाएगी और समाज का संतु लत वकास नहीं हो पाएगा । भारतीय संस्कृति के अनुरूप नारी को शक्ति का रूप प्रदान कया गया है। वेदों का अध्ययन करने से हमें पता चलता है क प्राचीन भारतीय समाज सर्वप्रथम मातृसत्तात्मक था नारी समाज का मूलाधार थी।परिवार की पहचान माता के नाम से होती थी अर्थात परिवार की मु खया माता होती थी। वेदों में कहा गया है क

"यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता"

अर्थात जिस परिवार में नारी की पूजा होती है देता भी वही निवास करते हैं। प्राचीन संस्कृति के अनुसार समाज में परिवार में कोई भी शुभ कार्य नारी के हाथों से ही करवाया जाता था ।कोई भी यज्ञ बिना नारी की उपस्थिति के संपूर्ण नहीं होता था । नारी को पूजनीय माना जाता था उसकी स्थिति परिवार मे, समाज में सबसे ऊपर थी।परंतु जैसे-जैसे समय बीता गया समाज में और सामाजिक परिवेश में भी परिवर्तन आता गया जिसके परिणाम स्वरूपनारी की स्थिति में भी परिवर्तन होता चला गया। मध्य युग में नारी की स्थिति दयनीय होती चली गई।समाज पुरुष प्रधान हो गया और महिलाओं पर अनेक प्रकार के अत्याचार शुरू हो गए जैसे बाल ववाह, वधवा पुन र्ववाह ना होना,कन्या भ्रूण हत्या, यौन हिंसा ,दहेज प्रथा, बलात्कार। महिला को एक उपभोग की वस्तु बनाकर घर की चारदीवारी में बंद कर दिया गया ।उसका काम चूल्हे चौके तक सी मत कर दिया गया। उसे शक्षा के अ धकार से वं चत कर दिया गया। जिसके कारण महिलाओं की स्थिति में दिन-प्रतिदिन गरावट आती चली गई। महिला को मनोरंजन का साधन बना दिया गया और उसे ,"दासी और पैरों की जूती" कहकर संबो धत कया गया।कबीर ने अपने दोनों ने कहा है

नारी की झाई पड़त अंधा होत भुजंग।
कबिरा तिनकी कोन गति, जो नित नारी के संग।।'

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13Issue 3, March 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मैथलीशरण गुप्त ने कहा-

अबला जीवन हाय तुम्हारी यह कहानी,
आँचल में दूध और आंखों में पानी ।

भारतीय समाज में स्त्रियों की बिगड़ती हुई स्थिति को सुधारने के लए अनेक समाज सुधारकोने प्रयास कए जैसे राजा राममोहन राय के अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप ही सती प्रथा को बंद कया गयातथा 1829 मेंसती प्रथा पर रोक लगा दी। कहा जाता है क सभी समस्याओं का समाधान शक्षा के माध्यम से ही निकल सकता है इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए नारियों की स्थिति के उत्थान के लए ज्योतिबा फुले ने नारी को श क्षत करने के लए अनेक प्रयास कए और अनेक कष्टों का सामना करते हुए नारी को शक्षा के अ धकार दिलाने में अमूल्य योगदान दिया। उनका यह मानना था क यदि एक नारी को श क्षत कया जाता है तो ना केवल एक परिवार अ पतु दो परिवार श क्षत होते हैं। इसके साथ-साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी महिलाओं ने अपना योगदान दिया भारत की आजादी के लए उन्होंने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मलाकर कार्य कया।

भारतीय महिलाओं की स्थिति

भारत ने 15 अगस्त 1947 को आजादी प्राप्त की तथा 26 जनवरी 1950 को भारत का सं वधान लागू हुआ स्वतंत्रता के पश्चात भारत में महिलाओं की स्थिति में सुधार के लए अनेक प्रावधान कए गए और आजादी के 75 वर्षों के पश्चात यदि हम अध्ययन करते हैं क भारतीय महिलाओं की स्थिति में सुधार करने के लए और उनकी गरिमा पूर्ण ति थ प्रदान करने के लए अनेक कानूनी प्रावधानों का समावेश कया गया है जिसके तहत उनकी स्थिति में काफी हद तक सुधार हुए हैं। भारतीय सं वधान के अनुच्छेद 14 के अनुसार कानून के समक्ष समानता का प्रावधान कया गया है जिसके अंतर्गत भारत में स्त्री और पुरुष दोनों को समानता का दर्जा प्रदान कया गया है। अनुच्छेद 15 के अनुसार भेदभाव की मनाही की गई है अर्थात सरकार के द्वारा कसी भी नागरिक के साथ कसी भी आधार पर धर्म भाषा जाति रंग लंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं कया जाएगा अर्थात स्त्री और पुरुष को सामान समझा जाएगा अनुच्छेद 15(3) यह प्रावधान करता है क राज्य सरकारें महिलाओं एवं बच्चों क सुरक्षा उन्नति एवं वकास के लए। वशेष प्रावधान भी कर सकती हैं। अनुच्छेद 16 के तहत प्रावधान कया गया है क भारत में अवसर की समानता स्था पत की जाएगी अर्थात प्रत्येक व्यक्ति को योग्यता के अनुसार रोजगार प्रदान कया जाएगा। परंतु अगर हम वास्त वकता देखें तो यह आंकड़ा केवल कागजों तक ही सी मत है हमारे देश में दिन प्रतिदिन होने वाले अपराधों का अगर वश्लेषण करें तो स्पष्ट होता है क प्रति 6 मनट में एक महिला के साथ छेड़छाड़ या सार्वजनिक अपमान उसके साथ कया जाता है और प्रत्येक 7 मनट में एक महिला की हत्या का प्रयास बलात्कार उत्पीड़न और अश्लीलता जैसी घटनाएं घटित होती है। संपूर्ण भारतवर्ष का अध्ययन करने के पश्चात हमारे सामने उभर कर आता है क भारत में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में महिलाओं के साथ ज्यादा अपराध घटित होते हैं इन अपराध की रोकथाम के लए भारत सरकार के द्वारा समय-समय पर कठोर नियम और कानून बनाए जाते हैं ले कन इसमें बदलाव तब तक नहीं आएगा जब तक हमारे समाज की सोच में परिवर्तन नहीं होगा। भारतीय सं वधान द्वारा महिलाओं के अ धकारों की रक्षा के लए अनेक संवैधानिक व धक अ धकार प्रदान कए गए हैं तथा उनके सफलतापूर्वक लागू करने के लए अनेक प्रकार के आयोगों की स्थापना भी की गई है प्रस्तुत शोध पत्र में हमें जानने का प्रयास करेंगे क हरियाणा सरकार के द्वारा महिला सशक्तिकरण के लए कौन-कौन सी योजनाएं नियम कानूनों का निर्माण कया गया है। भारतीय सं वधान के भाग 4 में राज्य के नीति निर्देशक सद्धांतों वाले अध्याय में भीमहिलाओं को आ र्थक न्याय प्रदान करने के लए भी भारत सरकार के द्वारा अनेक प्रावधान कए गए हैं। अनुच्छेद **39 (**क) में प्रावधान कया गया है क एक स्त्री को आजी वका के लए पर्याप्त साधन प्राप्त करने का अ धकार है तथा

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13Issue 3, March 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अनुच्छेद 39 में स्त्री और पुरुष को समान कार्य के लए समान वेतन प्रदान कया जाएगा।अनुच्छेद 42 में प्रावधान कया गया है क महिला को कार्यस्थल पर कार्य करते समय वशेष प्रसूति अवकाश प्रदान कया जाएगा ता क मां और बच्चे दोनों का स्वास्थ्य सही रहे और प्रसूति अवकाश के बाद वह अपने कार्य पर ध्यान केंद्रित कर सके। अनुच्छेद 46 इस बात का ध्यान रखता है क राज्य सरकार के द्वारा दुर्बल कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के लए शक्षा एवं अर्थ संबंधी हितों की वृ द्ध के लए कार्य कया जाएगा उन्हें सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के शोषण से मुक्त रखने के लए वशेष प्रावधान कए जाएंगे। भारतीय सं वधान के भाग 4 **A** मौ लक कर्तव्य वाले अध्यायमेंअनुच्छेद 51 **A(e)** के अंतर्गत प्रावधान कया गया है क भारतीय अपनी संस्कृति एवं गौरवशाली परंपरा के महत्व को समझते हुए एवं उसका अनुसरण करते हुए ऐसी प्रथम एवं परंपराओं का त्याग करेंगे जो स्त्रियों के सम्मान के वरुद्ध हो।

भारतीय सं वधाननिर्वाचन क्षेत्रों मेंमहिलाओं के लएआर क्षत

भारतीय सं वधान के अनुच्छेद **243** (द) **(3)** में प्रावधान कया गया है क भारत में स्था पत पंचायती राज में प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचन के आधार पर भरे जाने वाले स्थानों की कुल संख्या के 1 बटा तीन स्थान स्त्रियों के लए आर क्षत होंगे प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन से भरे गये स्थानों की कुल संख्या के **1/3** स्थान स्त्रियों के लए आर क्षत रहेगें और चक्रानुक्रम से पंचायती राज के अंतर्गत आने वाले व भन्न निर्वाचन क्षेत्रों में आवंटित कए जाएंगे। अनुच्छेद 243 **D(4)** में यह प्रावधान कया गया है क पंचायतों के चेयरपर्सन के लए भी महिलाओं के लए एक तिहाई सीटें आर क्षत की जाएंगी। भारतीय सं वधान के अनुच्छेद 243 तीसरी के अंतर्गत प्रावधान कया गया है क नगर पा लका एवं नगर निगम में भी एक तिहाई सीटें अनुसू चत जाति और जनजाति की महिलाओं के लए आर क्षत की जाएंगी तथा चक्रानुक्रम व भन्न निर्वाचन क्षेत्रों में आवंटित कीजाएंगी। भारतीय सं वधान का अनुच्छेद 325 या प्रावधान करता है क निर्वाचक नामावली में भी महिला एवं पुरुष दोनों को समान रूप से सम्मि लत होने का अ धकार प्रदान कया जाएगा। कस अनुच्छेद के द्वारा सं वधान निर्माताओं ने इस बात को दर्शाने की को शश की है क भारत में स्त्री और पुरुष दोनों को मता धकार से संब धत समान रूप से अ धकार प्रदान कए गए हैं उसमें कसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं कया गया है। आईपीसी की धारा 375 में बलात्कार को परिभा षत कया गया है एवं धारा 376 में बलात्कार के लए दंड का प्रावधान कया गया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 498**a** में यह प्रावधान कया गया है क अगर कसी महिला का पति या उसका रिश्तेदार अपनी ववाहित पत्नी के साथ निर्दयता पूर्वक या क्रूरता पूर्वक व्यवहार करता है या दहेज को लेकर उसे प्रता ड़त करता है तो न्यायालय के द्वारा उसे 2 साल तक की सजा का प्रावधान कया जा सकता है। भारतीय दंड संहिता की धारा 509 के अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति कसी स्त्री की मान मर्यादा एवं लज्जा का अनादर करने की मंशा से कोई शब्द कहता है या कोई ध्वनि उत्पन्न करता है या अनुच्छेद करता है या कोई वस्तु प्रद र्शत करता है या कोई भी ऐसा कार्य करता है जिससे कसी स्त्री की एकांता या मान मर्यादा का उल्लंघन होता है तो ऐसे व्यक्ति को 1 वर्ष तक की सजा एवं जुर्माना या दोनों से ही दं डत कया जा सकता है।

भारत महिलाओं की सुरक्षा एवं उन्नति

भारत महिलाओं की सुरक्षा उनकी उन्नति उनके वकास के लए समय-समय पर अनेक प्रकार के अ धनियम पारित कए गए हैं ता क समाज में प्रच लत कुरीतियों और कुप्रथा को रोका जा सके और एक महिला को सुरक्षा एवं सम्मान के साथ जीवन यापन का अ धकार प्रदान कया जा सके। जिसमें से कुछ निम्न ल खत हैं-:

(1) राज्य कर्मचारी बीमा अ धनियम **1948**

(2) दि प्लांटेशनस लेबर अ धनियम **1951**

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13Issue 3, March 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

(3) परिवार न्यायालय अ धनियम, **1954**
(4) वशेष ववाह अ धनियम, **1954**
(5) हिन्दु ववाह अ धनियम **1955**
(6) हिंदूउत्तरा धकारी अ धनियम, **1956** (संशोधन **2005)**
(7) अनैतिक व्यापार निवारण अ धनियम **1956**
(8) प्रसूति प्रसू वधा अ धनियम **1961** (संशो धत **1995)**
(9) दहेज प्रतिषेध अ धनियम **1961**
(10) गर्भ का च कत्सकीय समापन अ धनियम **1971**
(11) ठेका श्र मक अ धनियम **1976**
(12) दि इक्वल रियुनरेशन अ धनियम **1976**
(13) बाल ववाह प्रतिषेध अ धनियम **2006**
(14) आपरा धक व ध (संशोधन) अ धनियम **1983**
(15) कारखाना (संशोधन) अ धनियम **1986**
(16) इन्डिकेंट रिप्रेसेन्टेशन आॅफ वुमेन एक्ट **1986**
(17) कमीशन आॅफ सती (प्रवेन्शन) एक्ट, **1987**
(18) घरेलू हिंसा से संरक्षण अ धनियम **2005**

इनके प्रस्तुत शोध पत्र में हम हरियाणा सरकार के द्वारा महिलाओं की उन्नति और वकास के लए कौन-कौन
से नियम अ धनियम एवं योजनाओं का कार्य कया गया है उस पर वस्तार से चर्चा करेंगे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना

हरियाणा सरकार के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की शुरुआत 22 जनवरी 2015 में पानीपत में की गई थी इसका संचालन महिला एवं बाल वकास मंत्रालय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और मानव संसाधन वकास मंत्रालय द्वारा मलकर राष्ट्रीय स्तर पर कया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना , लंगानुपात में लड़ कयों के अनुपात में हो रही कमी को दूर करना लड़ कयों के साथ होने वाले भेदभाव को समाप्त करना और लड़ कयों के प्रति लोगों की नकारात्मक सोच एवं मान सकता में बदलाव लाना है। इस योजना के तहत न केवल हरियाणा में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर लड़ कयों को शक्षा प्रदान करके समाज में उनकी भागीदारी को बढ़ाना है। इस योजना के अंतर्गत अगर कोई परिवार बेटी के अकाउंट में हजार रुपए जमा करवाता है तो 14 साल में कुल रकम 168000 होगी। और जब बेटी 21 साल की हो जाएगी तो बेटी को □600000 से अ धक पैसे बैंक के द्वारा दिए जाएंगे जो उस बेटी की उच्च स्तरीय शक्षा में सहायता प्रदान करेंगे। इस योजना के अंतर्गत सामाजिक बदलाव और सुधार लाने के लए स्थानीय निकायों के साथ-साथ सरकारी स्कूल के कर्मचारियों को प्र शक्षण प्रदान कया जाता है ता क वे लड़ कयों के गरते शक्षा स्तर को बढ़ा सकें और समाज में उनकी भागीदारी निश्चित कर सकें।सरकार ने यह योजना महिलाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा को रोकने के लए उनकी मदद के लए शुरू की है। इस योजना के माध्यम से सरकार उन महिलाओं को जिन्हें घरेलू हिंसा के माध्यम से पी ड़त कया जाता है को कानूनी एवं च कत्सा संबंधी सु वधाएं प्रदान की जाती है। पारिवारिक हिंसा का शकार महिलाएं 181 नंबर पर संपर्क करके कानूनी सहायता प्राप्त कर सकती हैं

सुकन्या समृ द्ध योजना

इस योजना की शुरुआत बेटियों के उज्जवल भ वष्य के लए और उनकी अच्छी शक्षा के लए 2015 में की गई थी इस योजना के माध्यम से 10 साल से छोटी बच्चियों को शक्षा प्रदान की जाएगी और उनके ववाह

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13Issue 3, March 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

के समय उन्हें आ र्थक सहायता प्रदान की जाएगी।।बेटियों के बेहतर भ वष्य के लए, उनके अ भभावकों को पैसा जुटाने के लए, सरकार ने सुकन्या समृ द्ध योजना की शुरुआत की है। इसमें हर साल 250 रुपए से 1.50 लाख रुपए तक जमा कर सकते हैं। इस पर सरकार, वर्तमान में 7.6% ब्याज दे रही है, जो क कसी भी बैंक की **FD** या **RD** स्कीम से अ धक है। अगर आप हर महीना 500 रुपए भी जमा करते हैं तो 21 साल बाद आपकी बेटी को 2 लाख 54 हजार 606 रुपए मलते हैं।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

यह योजना महिलाओ को रसोई की सु वधा देने के लए शुरू की गई है। इस योजना की शुरुआत 1 मई 2016 को हुई थी। इसके माध्यम से गरीब व आ र्थक रूप से कमजोर महिलाओं को गैस सलेंडर उपलब्ध कराते हैं और इसका लाभ भारत के करोड़ो परिवार ले चुके हैं। इस योजना के तहत, अगले 3 वर्षों में 1600 रुपये प्रति कनेक्शन के समर्थन के साथ बीपीएल परिवारों को 5 करोड़ एलपीजी कनेक्शन प्रदान कए जाएंगे। महिलाओं के सशक्तिकरण को सुनिश्चित करते हूए, वशेषकर ग्रामीण भारत में, घरों की महिलाओं के नाम पर कनेक्शन जारी कए जाएंगे। 8000 करोड रुपए इस योजना के क्रयान्वयन हेतु आवंटित कए गए।सामाजिक आ र्थक जाति जनगणना डेटा के माध्यम से बीपीएल परिवारों की पहचान की जाएगी।

सुर क्षत मातृत्व आश्वासन सुमनयोजना

इस योजना की शुरुआत 2019 को कीगईथी। इसके अंतर्गत प्रसव के दौरान माँ एवं बच्चे का अच्छे से देखभाल के लए और उन्हें उ चत पोषण प्रदान करने के लए कया गया है। जिससे माँ और बच्चा दोनों सुर क्षत रहे और नर्सों की देखभाल में प्रसव का कार्य हो। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को 4 बार का मुफ्त चेकअप का खर्चा सरकार के द्वारा उठाया जाएगा एवं गर्भवती महिला को 6 महीने से लेकर बच्चे के जन्म के 6 महीने तक मुफ्त इलाज प्रदान कया जाएगा इसके साथ साथ दवाइयां एवं स्वास्थ्य से संबं धत अन्य सेवाएं भी सरकार के द्वारा प्रदान की जाएंगी । इस योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य सु वधाएं महिला को 1 घंटे के अंदर अंदर प्रदान की जाएंगी इसके अंतर्गत महिला को सुर क्षत डलीवरी की गारंटी भी प्रदान की जाएगी इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं नवजात शशुओं की मृत्यु दरों को कम करना । इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को डलीवरी से पहले एवं डलीवरी के बाद मलने वाली सु वधाओं को समय पर उन तक उपलब्ध करवाना है।

प्रधानमंत्री समर्थ योजना

इस योजना के माध्यम से महिलाओ को कार्यों के बारे में जानकारी दीजाती है जिससे महिलाएं नई – नई जानकारी ले सके। इससे महिलाएं भी व्यापार के क्षेत्र में कार्य कर पाएंगी और इसका फायदा उठाकर खुद का व्यवसाय कर पाएंगे एवं आप निर्भरता की तरफ एक कदम उठा पाएंगी।

- इसके अलावा हज़ारों महिलाओं को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में अपने उत्पादों को प्रद र्शत करने व उनके वपणन के अवसर मलेंगे।साथ ही सार्वजनिक खरीद में महिला उद्य मयों की भागीदारी बढ़ाने के लये वर्ष 2022-23 के दौरान **NSIC** की निम्न ल खत वा णज्यिक योजनाओं पर वा र्षक प्रसंस्करण शुल्क पर 20 प्रतिशत की वशेष छूट की पेशकश की जाएगी-:

- एकल बिंदु पंजीकरण योजना
- कच्चे माल की सहायता और बिल में छूट
- नि वदा वपणन

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13Issue 3, March 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

फ्री सलाई मशीन योजना

इस योजना के माध्यम से महिलाओ को आवेदन करने पर फ्री में सलाई मशीन दिया जाता है जिससे वे कड़ाई – बुनाई करके अपना जीवन चला सके और आत्मनिर्भर बने। इसका लाभ शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्र की महिलाएं ले सकती है और उनकी आयु 20 वर्ष से अ धक होना चाहिए।

हरियाणा महिला समृ द्ध योजना

इस योजना की शुरुआतराज्य के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ख र जी के द्वारा महिलाओ को लाभ पहुंचाने के लए शुरू की गयी है। इस योजना के अंतर्गत हरियाणा सरकार द्वारा राज्य के अनुसू चत जाति (**SC)** श्रेणी की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कये जायेगे। इस योजना के अंतर्गत राज्य की महिलाओ को खुद के अपना रोजगार स्था पत करने के लए सरकार द्वारा **Rs.60000** का लोन 5% वा षक दर पर मुहैया कराया जायेगा। जैसे की आप जानते है क राज्य में बहुत सी ऐसे महिलाये है जो अपना खुद का व्यवसाय करना चाहती है ले कन आ थक स्थिति कमज़ोर होने के कारण अपना खुद का रोजगार शुरू नहीं कर पाती इस समस्या को देखते हुए राज्य सरकार ने हरियाणा महिला समृ द्ध योजना को शुरू की। इस योजना के ज़रिये अनुसू चत वर्ग की महिलाओ को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना। सरकार उन्हें अपना व्यवसाय स्था पत करने के लए एक प्रकार की यह वत्तीय सहायता प्रदान करेगी |महिलाओं व उनके आ श्रत को सरकार की ओर से 750/-रुपये गुजारा भत्ता दिया जाता है तथा उनकी लड़ कयों को व लड़कों को 16 साल की उम्र तक साथ रखने की आज्ञा दी जाती है।

हरियाणा उत्तर रक्षा गृह कन्या, करनाल (नारी निकेतन)

हरियाणा उत्तर रक्षा गृह कन्या, करनाल (नारी निकेतन) में चलाया जा रहा है जिसका उद्देश्य लड़ कयों/महिलाओं जिनकी आय का कोई साधन न हो, को संस्थागत देखभाल, संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा, रख-रखाव, शक्षा और प्र शक्षण प्रदान करना है। संवा सयों को निःशुल्क कपड़े, भोजन, आवास, शक्षा और प्र शक्षण प्रदान कया जाता है।

महिलाओं के लए प्र शक्षण एवं उत्पादन केन्द्र योजना

इस योजना के अधीन स्वैच्छिक संस्थाओं/अर्ध सरकारी संस्थाओं/कल्याण एवं अनुसंधान संस्थाएं जो हरियाणा में कार्यरत हैं और महिलाओं, बच्चों व कशोरियों को सेवायें प्रदान करती है तथा सामाजिक बुराईयों जैसा क दहेज, कन्या भ्रूण हत्या, महिलाओं की की कम साक्षरता दर व महिलाओ के प्रति हिंसा आदि को समाप्त करने के लए सामाजिक लामबन्दी अथवा अ भयान चलाती है, को सहायक अनुदान प्रदान कया जाता है।

दहेज प्रतिषेध कार्यक्रमः-

दहेज की बुराई को समाप्त करने के लए राज्य में दहेज प्रतिषेध अ धनियम लागू कया गया है। अ धनियम को अ धक प्रभावी रुप से लागू करने के लए निदेशक, महिला एवं बाल वकास वभाग को मुख्य दहेज प्रतिषेध अ धकारी नामा कंत कया गया है। राज्य के सभी उपमण्डल मजिस्ट्रों एवं नगराधीशों को दहेज प्रतिषेध अ धकारी नियुक्त कया गया है। दहेज प्रतिषेध अ धकारियों को परामर्श व सहायता देने के लए सलाहकार बोर्ड/स मतियों का गठन कया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13Issue 3, March 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

हरियाणा राज्य महिला आयोगः-

महिलाओं को सवैंधानिक एवं कानूनी अ धकारों की रक्षा करने, उनके वरुद्ध भेदभाव तथा उत्पीड़न के मामलों में छानबीन करने के लए रराज्य में महिला आयोग गठित है। राज्य सरकार द्वारा हरियाणा राज्य महिला आयोग अ धनियम 2012 को पास करके आयोग को वैधानिक दर्जा भी प्रदान कया गया है।

हरियाणा महिला वकास निगम

कमजोर वर्ग की महिलाओं की सामाजिक-आ र्थक स्थिति में सुधार लाने के लए महिलाओं के वकास की गति व धयों को वक सत करने, जागृति जागरण, व्यवसायिक प्र शक्षण व स्वरोजगार स्था पत करने के लए संस्थागत वत्त का प्रबन्ध करने हेतु हरियाणा महिला वकास निगम कार्यरत है।

महिला सैक्स वर्करस के पुर्नवास बारे योजनाः-

हरियाणा सरकार द्वारा महिला सैक्स वर्करस को व भन्न तकनीकी तथा व्यवसायिक प्र शक्षण प्रदान कर रोजगार के अवसर प्रदान करके उनके लए पुर्नवास की योजना तैयार की गई है । जो महिलाएं अपना स्वरोज़गार परियोजनायें शुरु करने की इच्छुक हैं, को राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा ऋण की सु वधा प्रदान करवाई जायेगी। निगम द्वारा अ धकतम 1000/-रुपये की रा श पर 5 प्रतिशत ऋण सब सडी प्रदान की जायेगी।

आपकी बेटी हमारी बेटी
आपकी बेटी हमारी बेटी हरियाणा राज्य सरकार की एक योजना है जिसमें अनुसू चत जाति / बीपीएल परिवारों की पहली लड़की और कसी भी जाति से संबं धत परिवार की दूसरी संतान के नाम पर जीवन बीमा निगम एलआईसी के साथ 21000 रुपये की रा श का निवेश कया जाता है। 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर, बा लका को एक अस्थायी भुगतान कया जाएगा24.08.2015 से कसी भी जाति से संबं धत परिवारों में जन्म लेने वाली तीसरी बा लका को भी कवर कया गया

उद्देश्य

बा लकाओं के जन्म के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव लाना। राज्य में बाल लंगानुपात में सुधार करना। वद्यालयों में बा लकाओं के नामांकन और प्रतिधारण में सुधार करना और आय सृजन गति व धयों को करने के लए लड़ कयों की सहायता करना। उम्र बढ़ाने के लए लड़ कयों की शादी में।

निष्कर्ष

अंत में हम कह सकते हैं क कसी भी देश में जहां पर लैं गक भेदभाव पाया जाता है उस राष्ट्र में सांस्कृतिक राजनीतिक सामाजिक आ र्थक शैक्ष णक अंतर भी आता है जो उस देश को उन्नति और वकास के पद से भ्रष्ट करके उन्नति और पतन की ओर ले जाता है। भारत जैसे वकासशील देश को वक सत राष्ट्र बनाने के लए भारतीय सं वधान में व र्णत अ धकारों को समझ जनता के सुनिश्चित करने के लए महिलाओं को सशक्त बनाना सबसे आवश्यक है और महिलाओं के वरुद्ध व भन्न प्रकार की कुरीतियों परंपराओं एवं बुराइयों को मटाने के लए लैं गक समानता को प्राथ मकता दी जानी चाहिए एवं महिला सशक्तिकरण के लए उच्च स्तर पर कार्यक्रमों का संचालन कया जाना चाहिए जिसके अंतर्गत एक महिला को शारीरिक मान सक एवं सामाजिक रूप से मजबूत बनाकर हम एक सुदृढ़ भारत की नीव रख सकें। हम

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13Issue 3, March 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

इस बात से भलीभांति परि चत हैं क एक बच्चे की पहली पाठशाला उसका परिवार होता है और लड़ कयों को बचपन से ही सखाया जाता है क लड़ कयां गु ड़यों से सेवर रसोई के बर्तनों से खेलती हैं बड़े होकर उनका काम घर का काम करना है वह परिवार को संभालना है और यह वचार लड़की के मन में इस प्रकार घर कर जाते हैं क वह चाहकर भी अपने व्यक्तित्व का वकास उस प्रकार से नहीं कर पाती जिस प्रकार वह करना चाहती है बहुत बार एक परिवार में ही एक लड़के को असुर क्षत महसूस करवाया जाता है इसी लए महिला सशक्तिकरण की शुरुआत सर्वप्रथम परिवार से ही होनी चाहिए यदि परिवार में उसे उ चत स्वस्थ एवं संतु लत वातावरण मलेगा तो निसंदेह उसका वकास उसकी उन्नति में कोई भी रुकावट या बाधा नहीं आ सकती है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं डत जवाहरलाल नेहरु जी ने भी कहा है क "लोगों को जगाने के लए महिलाओं को जागृत होना आवश्यक है"इससे यह स्पष्ट होता है क महिलाओं को भी अपने अ धकारों के प्रति जागरूक एवं सचेत होने की आवश्यकता है सं वधान के द्वारा जो नियम कानून बनाए गए हैं उनके बारे में जानकारी होना आवश्यक है सकारात्मक दृष्टि से ग्रहण करना भी आवश्यक है एक महिला को अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पूरी स्वतंत्रता देना आवश्यक है जो क उसका जन्म सद्ध अ धकार है। महिलाओं को भी वर्तमान समय में स्वयं को मजबूत बनाना है और पुरानी अवधारणा जो उन्हें कमजोर और शोषण सहनेवाली अबला के रूप में प्रद र्शत करती है को बदलने की जरूरत है। एक महिला पुरुष के साथ कंधे से कंधा मलाकर ना केवल परिवार ,समाज, राज्य एवं अ पतु राष्ट्र के वकास में भी अपना बहुमूल्य योगदान देती हैं।आज आवश्यकता है तो पुरुष प्रधान समाज की मान सकता को बदलने कीऔर एक ऐसे स्वच्छ एवं स्वस्थ सोच वाले भारत के निर्माण की जिसमें महिलाएं स्वयं को सुर क्षत महसूस करें और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते हुए देश को भी उन्नति के पथ पर अग्रसर कर कर सके जिसके लए भारत सरकार के द्वारा लगातार प्रयास कए जा रहे हैं और हरियाणा सरकार भी भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार कार्य करते हुए महिलाओं की उन्नति एवं वकास के लए अनेक योजनाओं का निर्माण कर रही है जिसके तहत आज हरियाणा की बेटियां कसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। साक्षी म लक भारतीय महिला पहलवान हैं। इनका जन्म हरियाणा के रोहतक में हुआ। साक्षी ने ब्राजील के रियो ड जेनेरियो में हुए 2016 ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक में कांस्य पदक जीता है। भारत के लए ओलं पक पदक जीतने वाली वे पहली महिला पहलवान हैं। इससे पहले साक्षी ने ग्लासगो में आयोजित 2014 के राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत का प्रतिनि धत्व करते हुए रजत पदक जीता था। 2014 के वश्व कुश्ती प्रतियो गता में भी इन्होंने भारत का प्रतिनि धत्व कया। गीता फोगाट एक भारतीय महिला फ्रीस्टाइल पहलवान है जिन्होंने पहली बार भारत के लए राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। गीता ने 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन कया था। साथ ही गीता पहली भारतीय महिला पहलवान है जिन्होंने ओलम्पिक में क्वालीफाई कया। 23 दिसम्बर 2016 को प्रद र्शत हुई हिन्दी भाषी दंगल फ़ल्म इन्हीं पर आधारित है, जिसमें इनका करदार फ़ातिमा सना शेख ने निभाया है जब क आ मर ख़ान ने इनके पता और कोच महावीर संह फोगाट का करदार निभाया।हरियाणा की मानुषी छिल्लर ने मस इं डया 2017 का खताब जीता। र ववार 25 जून को मुंबई के यशराज स्टू डयो में आयोजित समारोह में मस हरियाणा मानुषी को

पछली बार की वजेता रहीं प्रयद र्शनी चटर्जी ने ताज पहनाया। खानपुर मे डकल कॉलेज की स्टूडेंट मानुषी एमबीबीएस सेकंड ईयर में है। मशहूर पहलवान क वता दलाल ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में सलेक्ट होकर इतिहास रच दिया है। क वता वहां तक पहुंचने वाली देश की पहली महिला पहलवान बन चुकी हैं। अब वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में 31 पहलवानों से भड़ेंगी। हरियाणा की रहने वाली क वता पेशेवर रेसलर बनने के लए **WWE** चैं पयन रहे द ग्रेट खली के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग ले रही हैं। उनकी ट्रेनिंग खली की पंजाब स्थित ट्रेनिंग अकादमी में हो रही है। दीपा म लक शॉटपुट एवं जेव लन थ्रो के साथ-साथ तैराकी एवं मोटर रेस लंग से जुड़ी एक दिव्यांग भारतीय खलाड़ी हैं जिन्होंने 2016 पैरालं पक में शॉटपुट में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा। 30 की उम्र में तीन ट्यूमर सर्जरीज और शरीर का निचला हिस्सा सुन्न हो जाने के बावजूद उन्होने न केवल शॉटपुट एवं ज्वलीन थ्रो में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियो गता में पदक जीते हैं, बल्कि तैराकी एवं मोटर रेस लंग में भी कई स्पर्धाओं में हिस्सा लया है। उन्होने भारत की राष्ट्रीय प्रतियो गताओं में 33 स्वर्ण तथा 4 रजत पदक प्राप्त कये सतंबर 2018 में कैप्टन अ भलाषा को सेना के ए वएशन कोर में कमीशन मला। अब तक वह कई प्रोफेशनल म लट्री कोर्स कर चुकी हैं। कॉम्बैट ए वएटर बनने के लए उन्होंने अपनी बाकी पायलट सा थयों की तरह ही 6 महीने का कोर्स पूरा कया है। आने वाले दिनों में ए वएशन कोर के टेक्टिकल इम्पॉर्टेंस में फ़ोर्स-मल्टीप्लायर के तौर पर आर्मी की मदद करेंगी।कैप्टन अ भलाषा बराक हरियाणा के पंचकूला जिले की रहने वाली हैं। बुल्गारिया में चल रहे अंडर-20 वर्ल्ड चैं पयन शप में हरियाणा की 17 वर्षीय महिला रेसलर अंतिम पंघाल ने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया हरियाणा के रोहतक की बेटी ने देश का मान बढ़ाया है। उन्नति हुड्डा ने कटक में आयोजित ओ डशा ओपन 2022 बैड मंटन टूर्नामेंट में तोशनीवाल को फाइनल मुकाबले में सीधे सेटों में हराकर खताब पर कब्जा कया 22 से 28 फरवरी तक रूस के मास्को में वूशु प्रतियो गता में भाग ले भवानी की बेटी कुसुम शर्मा ने गोल्ड मेडल जीतकर भवानी का ही नहीं बल्कि पूरे भारत देश का नाम रोशन कया सरसा: हरियाणा के सरसा की चार बेटियों ने इतिहास रचते हुए स वल सेवा न्यायिक परीक्षा पास कर जज बनने में सफलता हा सल की है। जज बनने वाली बेटियों में सरसा की कोर्ट कालोनी में रहने वाली जैस्मीन प्रीत कौर,ऐलनाबाद के गांव अमृतसर खुर्द की रहने वाली जसप्रीत कौर व गांव मौजदीन निवासी रेनू बाला और चौथी बेटी सरसा के डबवाली के गांव चौटाला की संतोष है।नारनौल के गांव मर्जापुर बाछोद की बेटी तनिष्का यादव ने नीट यूजी 2022 परीक्षा में इतिहास रच दिया है। तनिष्का ने देशभर में टॉप कया है। जींद :- हरियाणा की बेटियां जहां खेलों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं , वहीं अब सेना में जाकर एडवेंचर **Sprots** में भी प्रदेश का नाम चमका रही हैं लांस नायक मंजू ने एएलएच ध्रुव हे लकॉप्टर से 10 हजार स्काई फीट की ऊंचाई से छलांग लगाकर **Army** की पहली महिला सोल्जर स्काई डाइवर बनकर यह साबित कर दिया की महिलाएं कसी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है हरियाणा के खेड़का गांव में जन्मी भगवानी 95 साल की भगवानी देवी डागर ने इतिहास रच दिया है। भगवानी देवी ने पोलैंड के टोरून में वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स इंडोर चैम्पियन शप **(World Masters Athletics Indoor Championship)** में डस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल जीता है। हरियाणा की रहने वाली एथलीट ने इससे पहले फनलैंड में 2022 वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स चैं पयन शप (**World**

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13Issue 3, March 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

Masters Athletics Championship) में 90-94 आयु वर्ग में 100 मीटर दौड़ में गोल्ड जीता था। 26 साल की पूजा रोहतक के गढ़ी मोहल्ला की रहने वाली हैं। पूजा ने पैरा लं पक खेलों में तीरंदाजी के लए क्वॉक लफाई कया है। ऐसा पहली बार है जब पैरा लं पक में भारत की ओर से कोई महिला तीरंदाज प्रदर्शन करेगी। बेटियों को हरियाणा की खापलैंड खूब भा रही है. स्वास्थ्य वभाग द्वारा जारी आंकड़ों में जींद जिले का लंगानुपात 986 पहुंच गया है. जींद जिले में जनवरी में जारी कए गए स्वास्थ्य वभाग के आंकड़ों में टॉप कया है.

"समयहै सोच में परिवर्तन लाने का महिला सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ाने का"

संदर्भ ग्रंथ-

1.कबीर का दोहा बीजक संग्रह मौ थली शरण गुप्त का पद अबला नारी
2. डा. रानी, आशु **(1999)** महिला वकास कार्यक्रम, ईनाश्री पब्लिशर्स, जयपुर, पृष्ठ सं. **19**
3.भारतीय सं वधान व हिन्दी की दुनिया डॉट कॉम यूथ की आवाज डॉट कॉम
4.ओम प्रकाश, हिंदू ववाह, चतुर्थ संस्करण, वश्व वद्यालय प्रकाशन, नई दिल्ली, **1997,** पृष्ठ **182-2001**
5.कानिटीकर मुकुलभारत में महिला शक्षा समाज व सरकार की भू मका।, योजना सतंबर 2016,पृष्ठ-37।*
6. www.worldwidejournals.com |महिलाओं के लए उपलब्ध सरकारी योजना
7. आर.सी. मजुमदार, द हिस्ट्र एण्ड कल्चर आफ द इण्डियन पीपुल, प्रका शत टवस ग्दक मकपजपवद **198 1**
8. डाकुलश्रेष्ठ, लक्ष्मी रानी, कुरूक्षेत्र, अक्टूबर -नवम्बर **1997,** पृष्ठ सं. **82**
9.अंसारीएम ए,"महिला और मानव अ धकार" ज्योति प्रकाशन जयपुर
10.मकोल नीलम शर्मा, संदीप, सामाजिक वकास में श क्षत महिलाओं का योगदान। कुरुक्षेत्र सतंबर 2006 पृष्ठ 53।*
11.वासी तृप्ता बीएसडब्ल्यू ई- शक्षा में महिला वकास की पहलइग्नू लक्ष्मी प्रंट इं डया शाहदरा दिल्ली32 पृष्ठ-66।
12.देवपुरा प्रताप भल "महिला सशक्तिकरण में शक्षा का महत्व", कु रुक्षेत्र अंक 5 मार्च2006 पृष्ठ-5 6
13.श्रीवास्तव सुधारानी (1999) "भारत में महिलाओं की वैधानिक स्थिति", कॉमनवेल्थ पब्लिकेशननई दिल्ली*
14.जैन, प्रतिभा (1998),, "भारतीय स्त्री संस्कृति संदर्भ"रावत पब्लिकेशन जयपुर।*